



बिहार सरकार
बिहार सूचना केन्द्र, नई दिल्ली
(सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग, बिहार सरकार)

क्रम सं० 283
05.2017

प्रेस विज्ञप्ति

दिनांक-27.

गंगा से भावनात्मक लगाव ; अविरलता के बिना इसकी निर्मलता सम्भव नहीं— मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

नई दिल्ली। 27 मई 2017: माननीय मुख्यमंत्री, बिहार श्री नीतीश कुमार ने कहा है कि गंगा की अविरलता सुनिश्चित किये बिना इसकी निर्मलता सम्भव नहीं है। वे आज बिहार भवन, नई दिल्ली में मीडिया के प्रतिनिधियों को सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री कुमार ने कहा कि गंगा से मेरा भावनात्मक लगाव है। गंगा नदी के किनारे मेरा जन्म हुआ है। मेरी पढ़ाई लिखाई भी गंगा नदी के किनारे ही हुई है। उन्होंने कहा कि इस सम्बन्ध में उन्होंने आज हैदराबाद हाउस, नई दिल्ली में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से मिलकर एक पत्र सौंपा है। इस पत्र में गंगा नदी के गाद के कारण बिहार में आ रही समस्याओं के बारे में उन्होंने विस्तार से उल्लेख किया है। मुख्यमंत्री श्री कुमार ने कहा कि बिहार की समस्याओं को उजागर करना मुख्यमंत्री के नाते उनका कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि गंगा का प्रवाह मार्ग गाद से पट गया है। फरक्का बराज के बनने के पश्चात इसके उर्ध्व भाग में निरंतर गाद सालों साल जमा होता रहा है, जिसके कारण बाढ़ का पानी बक्सर, पटना तथा भागलपुर तक काफी देर तक रुका रहता है। यह बाढ़ बिहार में जलजमाव एवं काफी तबाही मचाता है, जिससे राज्य को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष प्रत्येक साल काफी नुकसान होता है। उन्होंने कहा कि गंगा नदी में बाढ़ की सारी समस्याओं का मूल कारण गाद ही है। बिहार सरकार द्वारा भारत सरकार का ध्यान लगातार इस ओर राष्ट्रीय गंगा नदी बेसिन प्राधिकरण तथा अंतर्राज्यीय परिषद् की बैठकों में आकृष्ट किया जाता रहा है।

मुख्यमंत्री श्री कुमार ने कहा कि इन समस्याओं के दीर्घकालीन समाधान के लिए एक प्रभावकारी राष्ट्रीय गाद प्रबंधन नीति बनाने की आवश्यकता है जो न केवल गंगा बल्कि अन्य सभी नदियों के गाद प्रबंधन में सहायक हो एवं नदी की अविरलता तथा निर्मलता को भी बनाये रखे तथा इनके पर्यावरणीय एवं पारिस्थितिकी तंत्र को भी प्रभावित न करे।

मुख्यमंत्री श्री कुमार ने कहा कि फरक्का बराज की उपयोगिता का पुनर्मूल्यांकन करने का समय आ गया है। सभी पहलुओं को समेकित रूप से देखा जाय एवं समस्या का हल निकाला जाय। उन्होंने कहा कि चितले कमिटी ने भी धार के साथ गाद को बहने के लिए रास्ता देने की बात कही है। यही बात हम लगातार कहते आ रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री कुमार ने कहा कि जलमार्ग के विकास के लिए एक समेकित दृष्टिकोण अपनाना होगा। मुख्यमंत्री श्री कुमार ने कहा कि इस साल फरवरी में पटना में एवं इसी महीना में दिल्ली में गंगा की अविरलता

विषय पर बिहार सरकार द्वारा कॉन्फेंस का आयोजन किया गया। पटना डिक्लेरेेशन एवं दिल्ली डिक्लेरेेशन गाद की समस्या को दूर करने में अत्यन्त लाभदायक होगा।

मुख्यमंत्री श्री कुमार ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री से अनुरोध किया कि मॉनसून आगमन के पूर्व 10 जून तक एक विशेषज्ञ दल भेजकर राज्य सरकार के तकनीकी पदाधिकारियों के समन्वय के साथ गंगा नदी में गाद की समस्या का lean season में स्थलीय अवलोकन एवं आकलन करवा लिया जाये जिससे मॉनसून अवधि में संभावित बाढ़ की विभीषिका का सही कारण एवं समाधान दृष्टिगत हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने उनके इस अनुरोध को स्वीकार करते हुए कहा कि 10 जून से पहले एक विशेषज्ञ दल स्थल भ्रमण हेतु जायेगा। साथ ही सम्बन्धित केन्द्रीय मंत्रालयों के अधिकारी उनसे आज ही मिलकर गंगा की अविरलता विषय पर दिशा निदेश प्राप्त करेंगे। मुख्यमंत्री श्री कुमार ने प्रधानमंत्री के प्रति इसके लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

मुख्यमंत्री श्री कुमार ने मीडिया प्रतिनिधियों को बताया कि उन्होंने आज हैदराबाद हाउस में मॉरिशस के प्रधानमंत्री श्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ से मुलाकात किया। उन्होंने कहा कि मॉरिशस से बिहारवासियों का गहरा लगाव है।

विदित हो कि गंगा नदी की गाद की समस्या एवं उसकी अविरलता विषय पर केन्द्रीय मंत्रालयों के अधिकारियों ने आज ही बिहार भवन आकर मुख्यमंत्री श्री कुमार के साथ चर्चा किया। जहाज रानी मंत्रालय के अपर सचिव श्री आलोक श्रीवास्तव एवं जल संसाधन मंत्रालय के सचिव श्री अमरजीत सिंह ने मुख्यमंत्री श्री कुमार के साथ इसपर विस्तृत परिचर्चा की। मुख्यमंत्री श्री कुमार ने इसपर विस्तार से अधिकारियों को बताया। उन्होंने अनुरोध किया कि 10 जून से पूर्व केन्द्रीय टीम स्थल का भ्रमण कर ले। इस अवसर पर मुख्य सचिव, बिहार श्री अंजनी कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अतीश चंद्रा एवं स्थानिक आयुक्त, बिहार, श्री विपिन कुमार भी उपस्थित थे।

